

नं. ५०४२ ————— ५०४३
क. क.

क. प्रश्न माला शारदा लिप्या
लि. जन्म पत्र लिखन
पं. ५०४२ " "

+

+

+

+

पत्र. १८ ————— स. ५

ज्योतिषम्.

5042 — 5043

F. = 19

क प्रश्नमाला प्रारदालिप्पाम् ५

एव जन्मपत्रिकालिखनप्रकारः ~~५६~~
प्रारदालिप्पाम्

५० धर — ५० धर

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो देवे ज्ञाना भगवत् नमः ॥
ॐ प्रणम्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
विष्णुं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
परमेश्वरं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
महेश्वरं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
उत्तमं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
प्रभुं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
प्रभुं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
प्रभुं नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे
मे नमस्कृत्यैवा सुमेधु मे हृदयं गातुं गुरुं प्रणम्यैवा सुमेधु मे

श्रुति॥००३॥ यं पं चिकं मेव भूयेन भयं यमः व भू
 पृथु विलनीया इत्युत्प्रायं भये दं सन्न दृष्टिं मभूतं
 उद्यमं भयं भयि त्रिं कर्षं भयं लोभं भयं लोभं वेत्ति॥००३॥ य
 मं यमं मभूतं मभूतं मभूतं मभूतं मभूतं मभूतं मभूतं मभूतं
 लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं लोभं
 उ॥००३॥ यं पं चिकं मेव भूयेन भयं यमः व भू
 मं पं लेयं इत्युत्प्रायं भये दं सन्न दृष्टिं मभूतं
 मिहिरु विष्टुति॥००३॥ यं पं चिकं मेव भूयेन भयं यमः व भू
 उभय विष्टुतिः सृष्टु वदं विष्टुतिः गमं मयं रदं उ॥३॥ मि
 मिहिरु विष्टुति॥००३॥ यं पं चिकं मेव भूयेन भयं यमः व भू

2

ॐ
ह्रीं
ॐ

॥ मम्यु लमत्र वृत्ति सु निद्रै मम्यु मभागमः देमं मवच्युक्त
 देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १२ ॥ यं चि कं म उच्युक्त मवच्युक्त
 सुवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १३ ॥
 मम्यु मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १४ ॥
 कं यं चि कं मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १५ ॥
 उच्युक्त मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥ मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १८ ॥
 मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ १९ ॥
 मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ २० ॥
 मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ २१ ॥
 मवच्युक्त मवच्युक्त देष्टु मवच्युक्त मवच्युक्त ॥ २२ ॥

०३३॥ यं इति कं इति कं मे व वत्तु रं दिस वि श्रुति ॥ स उ न सं
 वि ए सी या ॥ उ त्ति म द वि ग दः ॥ ५ उ पी क र वं म पं रे
 वी प्र ए म भा ग रे ॥ ०३४॥ यं इति कं म उ कं म लं म वि प्र
 ले ठ वे ॥ मा म मे क म डि उ मृ प र ठा म म मि र म ॥ उ
 मि ल ॥ ठे ॥ ठ वे ॥ ठे व क द मि मि र वि श्रुति ॥ ०२०॥ यं म उ
 क म य म म उ न मे ठ वे म वं म ॥ यं मे व म ॥ गं ॥ ए ॥ ठ ॥ म
 म ॥ उ ॥ म ॥ वे ॥ मे ॥ ध ॥ द ॥ यं ॥ यो ॥ मि ॥ रे ॥ व ॥ उ ॥ रं ॥ गे ॥ दे ॥ प्र ॥ ए ॥ रं ॥ म ॥ ०२३॥
 यं मे व म उ ॥ कं म डि कं मे द व म डि कं म ॥ म उ ॥ य ॥ प्रि वि
 ए नी या ॥ डि ॥ म ल ॥ उ ॥ म पं म ॥ व म ल ॥ म नै ॥ म म य
 नं म ॥ म ॥ वे ॥ म ॥ ०२३॥ यं म उ ॥ कं म डि कं म द म पं म म

3

ओं

ह्रीं
ॐ

गमः॥ ॐ गमसु ३ सु ३ कु मिला ३ सु पा वदः॥ पा मि तु
 भनम क द म मि तु म ल ले न वे ३ ॥ ०२२ ॥ प मं म तु म सु
 मं भे द नं व पु नं न वे ३ ॥ सु ३ द रिं नृ प नृ द्ये मे ३ पी तु ३ वे
 व म ॥ म डि क कु ल द मे व सु ॥ पु ल वि धु प म तु मे ॥
 ०० ॥ मि के प मं प मं मे व ॥ ल क मे व म भा ग मः॥ ॐ नृ नृ
 मि क द रि ॥ पु ३ न नृ नृ नृ नृ ॥ व सु पु धिं वि ल री य ॥
 म च ३ मृ प मे व म ॥ ०३ ॥ मि के प मं मि के मे व ॥ व पु नं म च
 नृ नृ वे ३ ॥ वि मे य ग म नं मि तु ॥ डी उ वा मे मि ग तु ग य उ य
 इ ग उं क द म चं रि य ले न वे ३ ॥ म द म तु पी पु ३ च ३ पु
 द मि डि नृ वि धु ३ ॥ ३० ॥ मि के प मं मि के मे व ॥ ल नृ नृ

यमदस्रापे सतयुधि विररीया निहं वैलरुडे स्रापे भ ॥
 पनरु हृषिक दनि स पुनं मरुयो रुवतु ३०२ मि के पम
 मकुपु म वसुने मव रु रुवेत ॥ गुत द निरुवेतु म गुरु
 यभयमि उंभ गुरु सा त्रियुवुली उ पुनरु य निरुवेतु ३
 ३० मि के मि के पम मेव ॥ ज रे म य म द स्रापे पनरु रुके
 क द नि म सतु स्राप मेव ३३३ मि के मि के मि के मेव ॥
 मज नं पतु पेरुवेतु गुत मि मि विररीया हूं मं ग लु
 ल म यि ॥ म न मि मि मुक द नि म व र स्राप वर नं ३३३
 मि के मि के मि के मेव वर नं म व रु रुवेतु गुत द नि रु रुवेतु नि
 रुक ल म य म व रु दः ॥ मं मि न प्र ए पु नः मि मि रु रु

धृतिः३३२॥ त्रिकं त्रिकं यत्रुं यमेष्टं वैवभयुपेभग
 नगभसु ममेउप्र उल'ठ' रुद्रु डि यगदमु' ठर'पु'
 धि मचउभापमेवम३३०॥ त्रिकं त्रिकं यं नैव भगुलंदि
 उषेवम' उल'स'भापं मेव' मृ'भा म' उयाव'रि' स'प'न'
 दु'चि'न'मे'उ' म'च'उ'भा'प'मे'व'म'३३३॥ त्रिकं त्रिकं त्रिकं त्रिकं
 व'म'ने'म'च'प'र'वे'उ' उ'य'दु'य'गि'भा'प'दि'पु'र'व'त्रि'न'भ'म'
 यः म'य'भ'दु'दि'र'नी'या'रु'म'उ' म'उ' वि'म'द' म'उ' क'ठ'
 लि'र'ने'रु' म'च' म'उ' रु' वि'धृ'ति'३३३॥ त्रिकं त्रिकं त्रिकं त्रिकं
 के'मे'व'म'उ' म'ल'रु'इ'पु'व'भ' मे'रु'न' नि'म'क'द'रि'धृ'
 ल'ठ'वि'रि'ति' मे'उ' म'च'मे'य'रु'य'या'ति'र'व'उ'पु'र'न'रु'

५
 डि
 हं म.
 २

[illegible]

छि
 हंम.
 य .

संभ्यर मुखा॥ भयती मात सं पति सायं मे वर दिशि मे उ भू
 न्नां गे म विरहीया इव उः मृणव वरं ३०० त्रिकं यं य
 मे मे व ररु र मे म भू उ उः उ य द्वा य रि म्पा य नि रु व त्रि दि
 र सं म यः दे द पी उं विरहीया रु व त्री म उ वि गृ दः गृ द म
 त्रिं य नु ची उ प्र न मि छि रु वि छि उ ३०३ त्रिकं यं त्रिकं मे व
 ररु र गृ रु वि छि उ सु रं मे व रु वे ह्ने यं प्र इ ल रं रु वि छि उ म
 उ ल रंः सा य प्र पि ग रं रं रु मि व र म ३०३ त्रिकं यं
 त्रिकं मे व वं म रं म च रु रु वे उ म उ द नि म रु मे उ मि उ म द क
 लि रु वे उ म इ छि वि गृ द मे व गृ द रं धा रु रु म ३०२ त्रि
 कं यं म उ छे म ररु रं रु वे ह्ने वं म य ग्ने म् रु र य प्र पि ॥

6

खे
हम

थं मेव भिद्यते मवयुः कवेतः कलदाः मनुजिभ्यः मनुवेममवि
 गृहः गृहं मनुविहरीयायेतमं मे गतेवेतः गृहपुलं पूज
 ची उ मवउभापभावि मेउ उउउ उिकं उिकं उिकं मेव मनु
 मेमः भापेवेतः पुरल मेठ न पूथि क देहः भापभावि मे
 उ थि ये मभगमेविह मवउभापमेवम उउउ उिकं उिकं मेव
 नून मेव हृदि भदं मनु मनु मेउ पीड मनु मनु मनु मनु मनु मनु
 पमृमि मनु गं पुलं येदं उउउ उिकं उिकं मनु मनु मनु मनु
 वेम्वेमं मनु मनु मनु पमृमि पगद मनु मनु मनु मनु मनु मनु
 मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु
 मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु
 मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु मनु

ॐ ॥ सुभया लि क द लि म चं उ उ पु उ न मे ॥ २३ ॥ इ के म
 उ विक मे व ॥ मे द न म च उ उ वे उ ॥ म दे र गे सु म मे उ उ उ र
 स मु पे व म क ले य र व वे म च ए द ॥ ७ ॥ ए नं सु क म ॥
 ॥ २३ ॥ इ के म उ इ के मे व म न ले स च म उ वे उ ॥ प म ल
 उ उ वे उ इ पु ॥ म र गे म च मि मि र म ॥ उ म ॥ इ के म उ म उ
 धं म म पि नि वि वि ठ नि म म उ मि उ ॥ म ये म पि क ले य
 र व वे म य ॥ ग ल क म सु म उ उ ॥ पु उ पी उ म म उ वे उ ग द
 म उ पु उ ची उ पु व मि मि उ वि ध उ डि ॥ २०० ॥ म उ य र
 म मे व म द ले उ उ वि ध म डि ॥ प र ठ पु ग ल ल उ हे म
 गे गु म मि मि र म ॥ २०१ ॥ म उ य र म विक मे व व म न म च म

मेव मीद नंभव सवेत। अजन मेभव ध्रुति मित्रे मय कलि
 वेत। अमे मग मनु मित्र। नामादि मय लवेत। अम गीध
 ए नं दव। कि मित्रे मं वृत्ति। २३३ मउ मं मेविके मेव
 के मेव वमनिके के लु। म मेउ वि प्र न न ल ठा पा
 मिम। वय न मय सु ठ न धु। प्रि म न ले साय मेव म २३३
 मउ मिके मउ मं म न ले मव सवेत। उरु वृत्तिके
 मेव। उरु ठा उ साय वय म। ए धु ए धु म। म म क लु
 मव स। मि मि र म। २३३ मउ मिके य म मेव व म नं मव
 सवेत। म गी गे ग धी मं म मय मेव म मेव म। ग द धी
 म वि ए नी य। ३ उ ठ म य मि म म। २३३ मउ मिके

वंमनेमचमरुवेतु मेमपीडकुल सुवेविमे मगमनेउ
 सुयमिनु उमुडि राते उमुनेवद लेमयः गृहमा
 त्रिंप्रकुचीउ प्ररमि मिमविष्टुडि ररउमउमउमिकेमे
 वमा निरीधडिउ मवेतु मदुकीक दनिधडिवमुल
 रुमम पिक्कु ममाय लि कदालि मवमेउमि
 मिमिडि ररउ मउमउमिकेमेव ररुमिनु मरुव
 ममउरुमेम एरीया पुल मेवममपुमा मेविमरनि
 कदालि मवम निधुल नदिमपुल नंदकु मवउ
 आपरुताः ररमउमुउमउमु ररमपुलेमवमरु
 वेतु एनपु त्रिंवि एरीया मल पु एमुमेरुनः य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ
 नमो
 भगवते
 वासुदेवाय
 ॥

ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

पद्ममेव भूतवन्निगुमसुपायं भव भूतमदमुलेरति
 प्रमथुमययुवः प्रवयं रंमभू भूतवेदुगयं यः रवे
 निम्वल्लभभुमभूतिचरवेमि मवम सुदृष्टुं ठनि
 धृष्टं मदमभू सुम यदु म्म मयु पिमभू सुम
 रं म्म उतुग मभिमभू दउपुमने देवदुधुम उतुग उधुग
 देवदेभमिमे उम सुते सुठ न ल मरिठन यदुदग विप
 उगे नद उधुग ठिमदुव लै मयग यम ॥

12

ॐ
ह्रम.
००

सिमीन ॐ सा यरमः सिमीन ॐ सा यरमः सिमीन ॐ सा यरमः
 यः कल ॐ उय यक उय यक उय यक ० येने
 निमिउं विमं मयगदुलकुविउम ॐ मयि मुमयदउं उमै
 विममलेनमः ३ यमैयय मुममये मयमु एविउयु
 मय ॐ कमलेपि कुनउं कुलिउिने इ मय यतिउं मयि
 पिमदः उदुग ॐ मय मयमु उीम मलेकयले यमेषु
 उंम यमैयुवयय उंयगिंम कुले कुमीयंयु ॐ मयि
 उं यमय मयिपल ॐ यपडिकं यमुममुमक ययय
 री मयकं कवतिउम ॐ विउं मीयदीन मिवमविउं निमि
 ५ ६ मय मयवउं मवेदुमि ॐ मय नवयदः कुचमुमय

लंउमृयमृमंलमुपत्रिकविठउलिपिउयभाल
लएहभालिकमेवमुपगठकुंयेगविमलमकु
यः १ भीनमेयेद्विपटिकेवयउममउधुये
भकगेपलुपदेयमुटिकभृउगवमिनहमिमेम
येभकगेवृमिउमेमउगवमयपुभीनेउयमेवेव
येमउगवममिषुमउयमुमवमिउहमिउव
उमवमिनदनिमेमयेककुएदनिमिमेमउ
गवमकहुउलेउयपलुमउगःवमिकेवम
त्रीमउयमेवदनिगवयकीउिउःभीनमेयेम
मिनेवयउमेमवमपुमिभकमेमिमेवयेयमि

13

वि.
हं.
०९

गृधं यत्तु षष्ठः सप्तमं वत्सुगमापु ७३ ने३
 वदि वर मा गम मदि वसु २३ ठिक ०
 मउं उवउ मंष्टिदेग उत्रु उिस मंमु मप्रमंमे
 मे मठवमंमेवे मुजेमंमे ह मुमिमंमे मु
 नठमंमे मु नठमंमे ठ मंमे मु उल्ले
 मंमे क मंमंमे म मंमंमे मंमे ये उ
 यमंमे मंम उयमंमे ठ मप्रमुष मंमंमे
 मंमंमे मु मुल्ले मुमिमंमे मंमे नठमंमे उययउल्ले
 मुमंमंमे मंमे उयः मउमंमे उडिउर मेर ठव
 लयदेव मुल्ले यदेव मुल्ले उययदे वटपूय

हे विद्योपनिषत् ० ७ ०० ४५ १ ०३ लघः ३
 ३ ०३ गिह २१ ०२ प्रह ५० ०५ यं जे वृद्ध
 मेवदुभ विठउ विष्णु यम मेम उभा मरु
 वसुधाग ०३ ४५ गवि कभकुउ विष्णुमेवदु
 गविवाभमविउयं एवेमनेदुमि मउमेवउ मेउ
 मुउि युमि यमि एवेउि ०५ गवे १ मउवामउ
 नदुउंउि विद्येगममविउम लग्नमिगुद मेव वे
 लायो मभुकीउिउः मउवामि यमि मः मुगमि
 ०३ ०५ यम ०० ०५ मुम ०३ मभुगः मउमि यमि मा
 मभुगः ३१ ०३ मउि यम ०५ पलेउ-

ॐ
ह्रीं
ॐ

उत्तयेगादिदमुभिमित्रेयगिभा... चटिकः ०.
 ॐ. मउककुंमः ०. मेयंमउ. मउयुए
 उमृएतेलममयेमीमुदेययभयए. ०.
 एउमिनुममयेमेयलगेयेमेममनेयय
 ममीनभयिथः गविगदवभगएवमनेमुगिमेउव
 एएमनदउएव११ एमडूभाहृमममंम
 कडमएतिकेयेउमदरुभाहृः मधूअमंमडू
 एयगिधूएकेनविंसेएलमभमः यडूदभा
 हृः यवमभिमनुः यय एमनदउममंमकडूनद
 नदउयेउयंमएतिके मधूअमंमभूठयि

कठि सुं लके न वि सं सु ठ र ये ए उ यो वि सं वे न यि कं उ
 ग यं य सु वि सं म न मे नु वे म थु वे न यि सु सु म य उ
 ल ले गे ग ह ग म वि उ न म क ल दः सं म दी मि उ ए न मि
 मि विं क म लि य ति क म लि त उ म म सु म ह डि के म
 वि म् वि य मि उ म म म य म म यी मि उ म ह ये वे न म य
 ह व ति यं य क म वि य म वि नु म म म न मे उ डि ए म
 न द उ म म क ए उ म मि दी य व म मि उ डि य द म म
 ग म य म मे उ म द गे व ह उ म व ग म म उ उ डि म
 ए उ म म गे वि दी म म डि म य च उ वे उ उ उ म
 उ ग व रः ये उ म न य म य उ उ उ डि म य ए उ त डि क
 क न

15

क	उं	मं	सबुगुण
मिं	लं	ऊं	रजोगुण
कं	पं	मी	तमोगुण

मुमुक्षुमंडलकुंभः कनृ वृषभकगापलमुमुः वल्लल
 गृतेवीहः
 ० ० ०
 रत्नयारै
 भगवंत
 रत्नसंज्ञं

क	मे	वृ	भि
मी	मि	कं	कुं
कं	०	भं	कुं
वि	द	वि	कुं

मभकगगाभमिउंमंमंमंमं
 प्रममुवेलांघां ० मचठ
 मयैराममृ हंमंमंमंमं
 येठनवमृ भगवममृप
 मिमृनवठमृ प्रनवमंमंमं

ॐ
 ॐ
 ०५

सुधा कङ्क टमम्भु मन्था दलु ली उतुगढ लुहं मे
 सिधंभदम्भु उतुगढ लु ली उंमं द्मुमि उं कं वर
 सु मि उं वं भु डि वि मा प उं मं इले न व सु वि मा
 प मं मं न ग ठ ह्यु कु सि के पु ग क म्भु लं प व थ
 मं उतुगढ मं मं ठ न व गु म्भु उतुगढ मं उं मं म्
 व म्भु ठ नि धु वं मं कं मं नि सु म्भु ठ नि धु वं मं ड नि ध
 कु च म्भु य म्भु उं मं उं मं मी म्भु प व म्भु य म्भु उं मं उं
 उतुगढ म्भु य म्भु ग डी मी रे ली व म्भु म्भु य म्भु य म्भु उं म्भु
 डि ग मि वि कु म्भु उं ल म्भु म्भु म्भु उं व म्भु लं म्भु म्भु म्भु

नैययिषु ह्यु' ये चैरुवमले वृत्तं उपवध'रु'
 ठैरु' लिउउध'रु' इलेलेण मलिणितु पिपुपपे
 मव'नः गगिगुगेठदिधु' गैममिममउठियकी मेमेम
 मिधुलउवएसु। उरु'ये'रु'मिगेवती मुंयेलेमममिनी
 मिलेलेलरु'गी उडिदेरु'मरु'म उवठवसुह
 उ'सु महुंमिडेगिधुभियः महु'सुठरु'क'य'वृयरु'
 व'धुकीडिउः विधमेवधुभा'पंमु' हरे'रु'सुध'मउः मि
 मगमिगेविमुठ'वे मेध'रु'ग'मयभूडाः उडिमगमि
 गमिसरु'व'गमिः। म व के भू'भू'न'दि मउउ

रु	धु
व	उ

म	क	उं	मं
व	मि	कं	मु
मि	कं	उं	मी

17

मधुमन्ममल्लकेतुमुत्तरादिकेमुत्तरंयल्लङ्गंय
 गउममवभायेन्निमंदिबकमधुमन्ममल्लएभिउ
 मधुमवनेमउठेडिके~ मधुमन्मममममममकम
 विमृत्तुडडिकेमुत्तरिउयमयमुत्तरि

केतु	उयम	गउ	मपल्ल	मुयेन्नि	डिके~	उय
०	००	२	३	७	७	मय
२	००	४	५	७	५	गउ
१	००	४	३	७	५	यायः
०	७		००	७		केतु

डिके~गःमुरुःमचामिष्टिठवउमुगल्लमममन

डि
 एम.
 ०१

मेवम श्रीमभुमिडे गियुदेवठयगलिउवलदीने उयु
 द्यमभमि वमेकपुं कलेवि ठीयते मषउयसुयभुन
 नि मेयेगदि द्येयमे मकगेतुमदीमुतः कंनृयं मेमय
 उसुगुरुः कके कयेरुतः मनि तुलायं भुसुसुमिष
 रेमिधकभुत उसुमपुमगः श्रीमः गमेवयमि वंम
 के मषउमः मेषु कमे मंके कंनृ केली भसु तुम
 मिग उसुगतेभुन निरुवति मषनीमः तुलेकः कसि
 केमके ककेयमुणभुयः भीनेवठयगलेवः कनृ
 यं कनवभुयः मेयेमे गठनीगदः श्रीमभुन उयुदु

18
 मः
 ०३

३:५डिनीमभुनानि भसुभित्तमेधुदलरुवंत्रिभुलं
 उंमुदंमं कठे जीवभलकंमु डिके रभुगदेमभय उंमुभि
 मेम रं हडिनीमभु नि॥ डभि डुगदसुडावदीदं कनी
 वेम'हं डिकिः सुदे उमभुः डिकिः डीमं रुवेमुं डिकि
 उमुदुं उः गनः भुमिगेर विडे उंमु रये उंमु रगति
 यम उमुमु उदिनं उंमु डिके गनः वधि मुनुं डिकि
 उंमुलं यगिधि डे यणी वरं उंमु डुमडिनीमभु यम
 यंममिठ'भुगे रवधु मदिने भु डुद'य'यभारु
 वेउभ'उंयिउंमु डिकु डुद'त्रिभं देमभ उमु सु'वउ

मृते गले गलकभु मभकमममहे यवा म वीरुः तदि
 कदि एन नदुडुडवडा रन नन साणु म म नु मे यंग मृ
 उ मय म म म ॥ त गे मभक म नु यवा लगुठि

त	ग	म	भ	पु	पु	डि	मे	म	पु
उ	द	मि	म	वि	पं	ह	म	पु	
उ	म	पं	म	पु	उ	ग	म	म	
पु	मं	ह	ग	ली	म	व	क	मु	

धे म वे नु नु यवा मेधो
 ठे म भु व धे न न व भु मि
 व न व ठ भु क क ह म न भु
 मि ह म द भु क ह व ठ भु म
 ये व गु मः ॥ उले न न व भु

वृष्टि के म क म प नं ये व गु मः भ कं म न म म भु उ मं म
 म भु मी न ली व म भु म ल के गी म डि मी य म भ क म भु व
 ग ल म म भु व क भु ले व म भ म म भु व म भु म

[illegible]

